दैनिक प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

मुरादाबाद से प्रकाशित

RNI NO- UPBIL/2021/83001

वर्ष :- 02 अंक :- 325 मुरादाबाद, 27 March 2023 (Monday) पृष्ठ :- 08 मूल्य : 3.00 रुपये

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

कात्यायनी

चन्द्रहासोज्ज्वलकरा शाईलवरवाहना।
कात्यायनी शुभं दद्याद्देवी दानवघातिनी।।

मां दुर्गा के छठे स्वरूप को कात्यायनी कहते हैं। कात्यायनी महर्षि कात्यायन की कठिन तपस्या से प्रसन्न होकर उनकी इच्छानुसार उनके यहां पुत्री के रूप में पैदा हुई थीं। महर्षि कात्यायन ने सर्वप्रथम इनकी पूजा की थी इसलिए ये कात्यायनी के नाम से प्रसिद्ध हुईं। मां कात्यायनी अमोद्य फलदायिनी हैं। दुर्गा पूजा के छठे दिन इनके स्वरूप की पूजा की जाती है। इस दिन साधक का मन आज्ञा चक्र में स्थित रहता है। योग साधना में इस आज्ञा चक्र का अत्यंत ही महत्वपूर्ण स्थान है। इस चक्र में स्थित मन वाला साधक मां कात्यायनी के चरणों में अपना सब कुछ न्यौछावर कर देता है। भक्त को सहजभाव से मां कात्यायनी के दर्शन प्राप्त होते हैं। इनका साधक इस लोक में रहते हुए भी अलौकिक तेज से युक्त होता है।

मन की बात में बोले प्रधानमंत्री मोदी- भारत के उभार में नारी शक्ति अहम

प्रधानमंत्री मोदी आज मन की बात कार्यक्रम के 99वें एपिसोड को संबोधित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों से 100वें एपिसोड के लिए सुझाव भी मांगे और लोगों को अंगदान, सौर ऊर्जा और देश में नारी शक्ति के बढ़ते सामर्थ्य पर अपने विचार रखे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज मन की बात कार्यक्रम के 99वें एपिसोड को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने अंगदान को लेकर लोगों को जागरुक किया और देश की तरक्की में नारी शक्ति के योगदान की अहमियत बताई। प. बंगाल के तटीय शहर दीघा के मछुआरों में मन की बात कार्यकम के 99वें एपिसोड को लेकर विशेष उत्साह रहा। दरअसल कार्यक्रम के तहत पीएम मोदी देश ने 12 राज्यों के लोगों से बातचीत की। इसमें प. बंगाल के पूर्वी मिदनापुर जिले को भी शामिल किया गया है, दीघा इसी के अंतर्गत आता है। यह समुद्र किनारे बसा एक पर्यटन स्थल है। यहां पर बहुत बड़ी संख्या में मछुआरे रहते हैं।

अंगदान के प्रति लोगों को किया जागरुक

प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात कार्यक्रम के तहत लोगों को अंगदान के प्रति जागरुक करते हुए 39 दिनों में ही इस दुनिया को छोड़कर जाने वाली अबाबत के बारे में बताया। प्रधानमंत्री ने बताया कि अबाबत एक गंभीर बीमारी से पीड़ित थी और उसके माता-पिता ने उसके निधन के बाद उसके अंगदान करने का बड़ा ही साहसिक और प्रेरणादायक फैसला लिया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने अबाबत के माता-पिता से फोन पर बात भी की। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज देश में अंगदान के प्रति जागरुकता बढ़ रही है। 2013 में हमारे देश में अंगदान के पांच हजार से भी कम मामले थे लेकिन 2022 में यह संख्या बढ़कर 15 हजार से ज्यादा हो गई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार ने अंगदान को बढ़ावा देने के लिए 65 साल से कम आयु की सीमा को भी खत्म करने का फैसला किया है।

लोको पायलट सुरेखा यादव की तारीफ की

प्रधानमंत्री ने कहा आज भारत जो नए सामर्थ्य के साथ उभरकर सामने आ रहा है, उसमें बड़ी भूमिका हमारी नारी शक्ति की है।

प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात कार्यक्रम के दौरान देश में उभरती नारी शक्ति की भी तारीफ की।

उन्होंने एशिया की पहली महिला लोको पायलट सुरेखा यादव के बारे में बताया और कहा कि कीर्तिमान स्थापित करते हुए वह वन्देभारत ट्रेन की भी पहली महिला लोको पायलट हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि फिल्म निर्माता गुनीत मोंगा और निर्देशक कार्तिकी गोंजाल्विस की डॉक्यूमेंट्री एलिफेंट व्हिसपर्स ने ऑस्कर जीतकर देश का नाम रोशन किया है। भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर की साइंटिस्ट ज्योतिर्मयी मोहंती की भी तारीफ की और बताया कि उन्हें रसायन और रसायन इंजीनियरिंग के क्षेत्र में ढ्ढक्तष्ट का विशेष अवार्ड मिला है।

इसी साल भारत की महिला अंडर 19 टीम ने वर्ल्ड कप जीतकर नया इतिहास रचा। साथ ही नगालैंड में दो महिला विधायकों की जीत को भी ऐतिहासिक बताया।

स्वच्छ ऊर्जा के बारे में बताया

प्रधानमंत्री ने स्वच्छ ऊर्जा के बारे में भी बात की और कहा कि आज पूरी दुनिया में भारत के स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में की गई तरक्की की चर्चा है। भारत खासकर सौर ऊर्जा के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। आज लोग सौर ऊर्जा के महत्व को समझ रहे हैं। प्रधानमंत्री ने काशी तमिल संगमम का भी जिक्र किया और कहा कि इस कार्यक्रम से दोनों क्षेत्रों के सांस्कृतिक संबंधों का उत्सव मनाया गया।

कश्मीर का भी किया जिक्र

प्रधानमंत्री ने कश्मीर में कमल ककड़ी के विदेशों में निर्यात करने की उपलब्धि के बारे में भी बताया कि कैसे कश्मीर के 250 किसानों ने मिलकर एक एफपीओ बनाया है और ये किसान कमल के तनों या कमल ककड़ी को विदेशों में निर्यात कर रहे हैं। इससे किसानों की आमदनी बढ़ी है।

साथ ही कश्मीर के डोडा जिले के भदरवाह में हो रही फूलों की खेती की तारीफ की और कहा कि इससे केंद्र के एरोमा मिशन को मदद मिली है और किसानों की आय भी बढ़ी है।

www.knlslive.com

प्रियंका ने भाजपा पर किया हमला, कहा- हमारे परिवार ने अपने खून से देश के लोकतंत्र को सींचा

प्रियंका गांधी ने कहा कि वे (भाजपा) सोचते हैं कि वे हमें डराकर और अपमानित करके हमें चुप करा सकते हैं? सुनो, हम नहीं रुकेंगे। उन्होंने आगे कहा कि जनता की गाढ़ी कमाई को लूटकर कुछ लोगों को दी जा रही है। आपने कभी सोचा है ये पूरी सरकार एक आदमी को बचाने की इतनी कोशिश क्यों कर रही है?कांग्रेस नेता राहुल गांधी की संसद सदस्यता रद्द होने और सूरत की अदालत द्वारा दो साल की सजा सुनाए जाने के खिलाफ कांग्रेस सरकार और भाजपा पर हमलावर है। राहुल गांधी के लिए देश भर से समर्थन जुटाने के लिए कांग्रेस आज देश व्यापी सत्याग्रह कर रही है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी दिल्ली में राजघाट पर सत्याग्रह कर रही हैं। इस दौरान प्रियंका गांधी ने सत्तारूढ़ भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अहंकारी, तानाशाह जब जवाब नहीं दे पाते तो पूरी सत्ता को लेकर जनता को दबाने की कोशिश करते हैं। प्रियंका ने यह भी कहा कि हमारे परिवार ने अपने खून से इस देश के लोकतंत्र को पोषित किया।

हम नहीं रुकेंगे- प्रियंका गांधी

राजघाट पर उमड़ी भीड़ को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वे (भाजपा) सोचते हैं कि वे हमें डराकर और अपमानित करके हमें चुप करा सकते हैं? सुनो, हम नहीं रुकेंगे। उन्होंने आगे कहा कि जनता की गाढ़ी कमाई को लूटकर कुछ लोगों को दी जा रही है। आपने कभी सोचा है ये पूरी सरकार एक आदमी को बचाने की इतनी कोशिश क्यों कर रही है? इस अदाणी में है क्या कि आप इसे देश की सारी संपत्ति दे रहे हैं। ये अदाणी है कौन कि इनका नाम सुनते ही आप बौखला जाते हैं?

परिवारवाद के मुद्दे पर पर भी घेरा

प्रियंका ने परिवारवाद के मुद्दे पर भाजपा को घेरते हुए कहा कि आप हमें परिवारवादी कहते हैं तो भगवान राम कौन थे? क्या वो परिवारवादी थे? क्या पांडव परिवारवादी थे? और हमें क्या शर्म आनी चाहिए कि हमारे परिवार के सदस्य इस देश के लिए शहीद हुए? उन्होंने आगे कहा, यह मेरा परिवार (नेहरू-गांधी) था, जिसने अपने खून से इस देश के लोकतंत्र का पोषण किया। भाजपा पर आरोप लगाते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि उन्होंने कई बार मेरे परिवार का अपमान किया, लेकिन हम चुप रहे। इसके लिए उन्हें जेल नहीं भेजा गया ना ही उन्हें सालों तक चुनाव लड़ने से रोका गया।

नेहरू उपनाम को लेकर पीएम के बयान पर किया पलटवार

प्रियंका गांधी ने आगे कहा, मेरे शहीद पिता का अपमान संसद में किया जाता है। शहीद के बेटे का अपमान किया जाता है उन्हें मीर जाफर कहा जाता है। मेरी मां का अपमान किया जाता है। आपके मंत्री कहते हैं कि इनके पिता कौन हैं? आपके प्रधानमंत्री गांधी परिवार के लिए कहते हैं कि ये नेहरू उपनाम का इस्तेमाल क्यों नहीं करते? आप पर तो कोई केस नहीं होता, आपकी सदस्यता रद्द नहीं होती।

हमारी विचारधारा नफरत की नहीं

इस दौरान कांग्रेस महासचिव ने भाजपा पर नफरत फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि मेरा भाई पीएम मोदी के पास गया और उन्हें संसद में गले लगाया। साथ ही कहा कि उन्हें आपसे कोई नफरत नहीं है। हमारी अलग-अलग विचारधारा हो सकती है, लेकिन हमारे पास नफरत की विचारधारा नहीं है।

अब एक कॉल पर यूपी के बीमार पशुधन के लिए उपलब्ध होंगे डॉक्टर, मुख्यमंत्री योगी ने दिखाई हरी झंडी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पशुधन स्वास्थ्य एवं रोग नियंत्रण योजना के अंतर्गत 201 करोड़ रूपए की लागत से 520 मोबाइल वेटरनरी यूनिट को लांच किया और कहा कि पशुधन स्वास्थ्य एवं रोग नियंत्रण योजना पशुधन के क्षेत्र में नए युग का सूत्रपात है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पशुधन स्वास्थ्य एवं रोग नियंत्रण योजना पशुधन के क्षेत्र में नए युग का सूत्रपात है। उन्होंने कहा कि 520 मोबाइल वेटरनरी वैन आज से प्रदेश के सभी जनपदों में पशुपालकों के लिए उपलब्ध रहेंगी। हम लोग देखते थे कि कोई जानवर बीमार हैं तो उसे समय पर इलाज नहीं मिल पाता था। किसी गोवंश का एक्सिडेंट हो जाता था तो समय पर उसे डॉक्टर नहीं मिल पाते थे। इससे उन पशुओं का इलाज हो पाएगा। यह योजना वास्तव में उत्तर प्रदेश के पशुधन संरक्षण और संवर्धन के नए अध्याय की शुरुआत है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से पिछले छह वर्ष में हमारी सरकार ने गोवंश के संरक्षण और संवर्धन में अनेक प्रयास किए हैं। अन्नदाता किसानों के जीवन में परिवर्तन हो, उनकी आमदनी बढ़े इसके लिए तो प्रयास हुए ही साथ ही साथ किसानों की फसलों को भी सुरक्षित रखने के लिए प्रदेश के पशुधन विभाग द्वारा अनेक कार्यक्रम प्रारम्भ किए गए

संपादकीय Editorial

For self-sustaining existence

The self-reliant hill state will have to fight for its natural resources and fight to remove the ice frozen on national proportions in its favor. On the track on which Himachal has put the self-power of its economy through water cess, the mustache of Punjab and Haryana are seen to be stretched. The wonder is that the Punjab which till yesterday has been making every possible effort to block Haryana's rights over the drops of water released from Himachal's rivers, it also has objections to the self-sufficient existence of Himachal. This is not a water dispute, nor is it a betrayal of the spirit of Punjab reorganization. First of all, it is that any government has shown the courage to squeeze the economy flowing in the water. If we look carefully, there has been a fault in the central policies in understanding the hill states. Till date, neither the royalty was fixed by accepting water as raw material, nor did the central governments do justice in lieu of mountain responsibilities and liabilities. The matter of Himachali rights was first raised by Shanta Kumar through Delhi March, then the industrial package that came during the time of Prem Kumar Dhumal was a beautiful message. The free electricity received in power generation definitely gives shelter to Himachal like a mold, but to move forward, the path of justice will emerge from water or some formula of financial compensation will have to be found instead of forest. It is surprising that Himachal wants to get water cess from those power units which have already uprooted thousands of people instead of being established on the land of the state. How can it be possible that Himachal is devastated, but only the neighboring states remain prosperous. Take the example of Pong Dam, Himachal did not get even a single unit of electricity from it. What kind of practice is this that if there is flood in Sutlej, Beas or Ravi, ours, but in return the rights of the neighboring states will remain intact. Even today, 7.19 per cent of Himachal, stuck in the lines of Punjab reorganization, is missing because neither the state governments have taken the struggle to its end, nor has the Center done justice to the state honestly. Now, with the financial help of the hill states, the center has started doing nothing even in the maintenance of schemes and projects on an average of 90:10. The condition of 50:50 funding in smart city projects has hindered the urban development of Himachal. If issues like land are not resolved with the neighboring states, it is also because the Center did not give importance to us or our representation in the Parliament remained asleep. Himachal, which created history of sacrifices for the country, neither got military institutions nor got full rights in national construction schemes till date. Only once when the Atal Bihari Vajpayee government had given an industrial package to the state, it seemed that through this the state would be able to stand on economic grounds, but due to opposition from big states, it also ended with incomplete resolution. We believe that in order to move forward economically, the state will have to first of all leave that eavesdropping, which has been flourishing only on central mercy. On the other hand, difficult choices will have to be made for the economic communication of the financial structure and the third young generation will have to be given an environment and encouragement to become self-reliant through non-governmental thinking and self-employment. By imposing a cess on a single water, Himachal came to know how the trends that keep it as 'Pappu' behave. We need a new land and environment to be self-sufficient and this will be achieved only by the ownership of forests. What are we achieving by giving 70 percent of the state's land to forests. Only that the lack of fodder made the animals stray or the monkeys came out of the forest and ruined our lives.

Worry: The decreasing number of elephants is alarming, the effect of climate change may increase

During 2001 to 2020, 1,330 elephants died in Assam. A research suggests that the effect of climate change may increase due to the decrease in the number of elephants. Therefore, there is a need to look at this figure seriously. Over the past few years, since the reel became popular through social media, there have been scenes of people with mobile phones running after elephants, or herds of elephants running towards people. Such incidents have increased in the last few years. Recently, the Assam government presented a shocking figure in the assembly. The government said that 1,330 elephants have died in Assam from 2001 to 2022. This is an alarm bell. This is because, if the research done in a university of America is to be believed, then elephant is the only animal in the world, which can save mankind from the effects of climate change. Ever since man started destroying forests through sophisticated machines. Since then the conflict between wildlife and humans has increased. Wild animals are not able to get food in the forest today. The natural reservoirs, puddles, ponds, rivers and canals that were inside the forest have started drying up. Small animals satisfy their hunger, but if any animal is facing the biggest problem, then it is the elephant. In such a situation where do wild animals especially elephants go. For this reason, the conflict between humans and elephants has increased in the last few years. Assam is known in the country as an elephant state. This is the same Assam where Prime Minister Narendra Modi himself patted the government for not killing a single rhino last year. But the death toll of 1,330 elephants in the same state during two decades is a matter of concern for any wildlife lover and the entire humanity. According to the information tabled in the assembly, only 509 elephants died due to natural causes while 261 elephants died due to unknown reasons. 102 elephants died due to being hit by trains, while 65 elephants were killed by poisoning, while 40 elephants were hunted during this period. 202 elephants died due to contact with lightning, while 18 elephants were killed by lightning. Assam Forest Minister Chandramohan Patwari informed the House that the highest number of elephant deaths (107) were reported in 2013, followed by 97 in 2016 and 92 in 2014. On an average, more than 70 people were killed in man-animal conflict in Assam every year. And more than 80 elephants die. If we talk about the number of elephants in Assam at present, then only a little more than 5,700 elephants are left here. The minister did not just count the figures but also gave the reason that increasing human interference in the natural habitat of elephants has forced the animals to venture out in search of food, resulting in human-human conflict. It is noteworthy that at present there are 33 elephant sanctuaries in the country and they are spread over 1200 square kilometers. 12 August is celebrated as Elephant Day in the world. According to a report, according to the census of elephants done in 2017, the number of elephants in the country is about 30 thousand. A research found that elephants play an important role in making forests. They play a major role in sequestering more atmospheric carbon and maintaining the biological diversity of forests. The researchers found that elephant numbers are low and that if elephants become extinct, the effect of atmospheric carbon could increase. A study by researchers at St Louis University in the US has underlined the importance of elephants for the planet. Stephen, the senior author of this research, has spent much of his career studying elephants. Stephen and his colleagues are looking at the increased carbon footprint of the African country's rain forests because of the ecology of elephants. This means that as elephant numbers decline, the effects of climate change will increase. We should see the figures presented by the Assam government in the assembly as an alarm bell. The Union Ministry of Forests, Government of India, started Project Elephant in 1992 for the conservation of elephants. It needs to be strengthened and activated in the new context, so that the protection of the protectors of the earth is ensured.

Movement: Fifty years of sticking amidst the concerns of saving the environment, will have to pay the price of 'negligent development'

Since the 1970s, scientists and activists have issued frequent warnings against the reckless expansion of roads and hotels and the construction of hydroelectric projects in the ecologically fragile mountainous region, but they have been ignored. On March 27, 1973, farmers in Mandal village in the upper Alaknanda valley stopped a group of professional loggers from cutting down angu trees, warning that they would stick to those trees. This unique non-violent method used in Mandal was later followed in many villages in the Uttarakhand Himalayas to save forests. This incident is now fifty years old, which is known as the Chipko Movement. Chipko has been followed by a series of grassroots initiatives for community control over forests, pastures and water. Scholars have analyzed these struggles and said that they have shown the path of recombination of India's development path. Given the density of the country's population and the fragility of its tropical ecology, it was argued that it was a mistake to follow the Western model of energy intensive, capital intensive, resource intensive economic development. When the country gained independence from the British Raj in 1947, it should have adopted a much more grassroots, community-oriented and environmentally responsible model of development. It was also said that one can still make amendments. Both the state and the citizens should heed the lessons of Chipko and modify public policies and social behavior accordingly. There was a need for a new model of economic development, which could lift a large number of people out of poverty without affecting the interests and needs of future generations. The environmental debate in India was at its peak in the 1980s. This debate took place at several levels. It brought to the fore the ethical questions raised by the environmental crisis, the changes needed in the distribution of political power to promote environmental sustainability, and the question of technology being able to simultaneously serve economic and environmental objectives. The debate covered all resource-related areas, including forests, water, transport, energy, land and biodiversity. The government was forced to create, for the first time, an environment ministry at the center as well as in the states. New laws and new regulatory bodies had to be created. For the first time, scientific research on environmental questions got a place in our premier higher institutions. Much of what was achieved in the 1980s in terms of the environment was lost in subsequent decades, largely due to the policies of economic liberalization adopted in 1991. Liberalization was both necessary and overdue in many ways. The licence-permit-quota raj of the Nehru and Indira era stifled entrepreneurship and stunted growth. However, while market freedom increased productivity and income, one area that still needed regulation was environmental health and safety. Environmental degradation has accelerated in the 1990s and since, and it is ironic that attacks on environmentalists have also increased during this period. Mining companies destroyed forests and dispossessed tribals in large parts of central India, and those who opposed these crimes were branded Naxalites and often imprisoned for long periods, leading (as Stan happened in Swamy's case) till death in prison. Companies involved in mining and other forms of resource exploitation have forged close partnerships with politicians of all parties, warming their palms in exchange for contracts and impunity from public scrutiny. Pro-business columnists in the mainstream press became actively involved in using environmental activists as scapegoats. Fifty years after Chipko, if there is a mention of environmental concerns in public debates, it is only with climate change. The consequences of human-induced accumulation of gases in the atmosphere may constitute perhaps the greatest environmental challenge today. However, this is not the only challenge. The truth is that even without climate change, India would have been an environmental disaster zone. The highest rate of air pollution in the world has been found in the cities of North India. Water pollution is hardly less serious - in fact, the great rivers along which these cities were historically located are biologically dead. Ground water level is going down everywhere. The chemical composition in the soil is high. The fragile coastal ecology is being destroyed by haphazard and unregulated building construction. Many of the forms of environmental degradation mentioned in the previous paragraph have more than just an aesthetic effect. They also have profound economic costs. Air and water pollution make people sick and put them out of work. When the soil becomes poisonous, the formerly productive land becomes unfit for cultivation. Degradation of forests and grassland reduces the security of rural livelihoods. The economic consequences of damage to the environment have generally not attracted the attention of India's eminent economists, including Nobel laureates. However, some of his lesser known and grassroots colleagues are more aware of this question. A decade ago a group of economists estimated the annual cost of environmental degradation in India at about Rs 37.5 trillion, equivalent to 5.7 per cent of GDP (see Muthukumar Mani, editor, Greening India Growth: Cost valuation, and Trade Offs, 2013). It is important to recognize that the burden of environmental degradation in India falls primarily on the poor. Rural residents of the Singrauli region, which supplies a major portion of Delhi's electricity requirements, are themselves largely without electricity, while facing life-threatening pollution as a result of coal mining. (See Vasudha, Dark and toxic under lamp: industrial and health damage in Singrauli, Economic and Political Weekly, March 4, 2023) Chipko's lesson is that humans must respect and act upon nature to live and prosper assuredly. Should stay within limits, is being violated everywhere in India today. And nowhere is this happening more brutally than in Chipko's own Himalayan homeland. Its symptoms can be seen in the tragedy of Joshimath. From the 1970s, scientists and activists (including Chipko leader Chandi Prasad Bhatt) issued frequent warnings against reckless expansion of roads and hotels, blasting tunnels and building hydroelectric projects in this ecologically fragile mountainous region. But governments ignored them and even the Supreme Court, which rejected a committee report prepared with extensive research and arguments, and gave the go-ahead to the disastrous Char Dham Highway project. The sinking of Joshimath heralds such disasters – yet the state and its contractor partners will not desist from continuing their assault on the people and environment of the Himalayas in the name of so-called 'development'. (See Ravi Chopra, Joshimath: An Avoidable Disaster, The India Forum, March 7, 2023) Rabindranath Tagore, in one of his lectures in 1922, said that 'modern machinery has induced in man the instinct of plunder, which has rendered health reduced the power of nature. Their profiteers gouged a big hole in the accumulated capital of the planet. They created needs which were unnatural and these needs were forcibly met by nature.' If these trends continued unchecked, Tagore foresaw a future, 'where man exhausted the water, cut down the trees, turned the surface of the planet into a desert.' It is still not too late to heed their warnings.

मन की बात कार्यक्रम हमारे लिये प्रेरणा का माध्यम है -रोहित आर्य

एन.राज शर्मा

दैनिक क्यूँ न लिखूं सच भाजपा नेता रोहित आर्य जिलाउपाध्यक्ष भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा ने मन की बात कार्यक्रम का 99 वा एपिसोड बूथ न0 127 चमन कोठी पर किया जिसमें हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का उध्बोधन प्राप्त हुआ श्री मोदी जी द्वारा मन की बात कार्यक्रम में देश विदेश व देशवासियों के हित मे हो रहे कार्य के ज्ञान का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ रोहित आर्य ने कहा मन की बात कार्यक्रम हमारे लिये प्रेरणा का माध्यम हे जिसके माध्यम से हमारे देश की

सभ्यता बढ़ती ऊँचाई मार्ग अभ्यास निडरता अखण्डता विश्वसनीयता व देश के पुरषो व महिलाओं के द्वारा किये जा रहे कार्यों का विदेश जाकर हमारे देश का नाम रोशन की जानकारी प्राप्त होती हे सरकार द्वारा जनसेवा के कार्य का मार्गदर्शन प्राप्त होता हे मन की बात कार्यक्रम में उपस्थित मंडल अध्यक्ष अनुसूचित मोर्चा सुभाष सिंह राहुल दिपांसु मंगली सिंह मो रईश शैख़ आरिफ जावेद अरुण राजू छोटे लाल रतनलाल राकेश ओमप्रकाश विशाल आदि मौजूद रहे

जिले को मिलीं मोबाइल वेटरनरी एंबुलेंस, अब टोल फ्री नंबर से मिलेगा पशुओं को इलाज

मुरादाबाद- पशुओं को बेहतर इलाज की सुविधा जिले में मिलेगी। आकस्मिक पशु चिकित्सा के लिए टोल फ्री नंबर 1962 के साथ ही जिले में दो मोबाइल वेटरनरी एंबुलेंस मिलीं हैं। नगर विधायक रितेश गुप्ता, मुख्य विकास अधिकारी सुमित यादव ने हरी झंडी दिखाकर इन्हें पशु चिकित्सा के लिए समर्पित किया। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना आकस्मिक पशु चिकित्सा को टोल फ्री नंबर 1962 के माध्यम से पशुपालकों के द्वार फ्लैग आफ मुख्यमंत्री ने लखनऊ से किया।

स्थानीय स्तर पर एनआईसी में इसका प्रसारण देखा गया। नगर विधायक रितेश कुमार गुप्ता, मुख्य विकास अधिकारी ने झंडी दिखाई। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ.अनिल कंसल ने बताया कि मोबाइल वेटरनरी यूनिट की सेवा जिले में पहले से निर्धारित रूट पर सुबह आठ से दिन में दो बजे और इमरजेंसी रूट पर सुबह 10 से शाम आठ बजे तक मिलेगी। दो मोबाइल यूनिट जिले को मिली है। जन प्रतिनिधियों की उपस्थिति में इससे संबंधित मेले का आयोजन भी छजलैट विकास खंड में किया गया। उन्होंने कहा कि जिले के पशु चिकित्सालयों में पशु चिकित्साधिकारियों व चिकित्सक के माध्यम से पशुओं की सभी बीमारियों का इलाज किया जाता है। टीकाकरण कराने के लिए पशुपालकों को प्रोत्साहित किया जाता है।

अब पशुपालकों के द्वार पर मिलेगी चिकित्सा

दो मोबाइल पशु चिकित्सा यूनिट के माध्यम से पशुपालकों के घर पर पशुओं के इलाज के लिए टीम पहुंचेगी। इसमें पशु चिकित्सक और अन्य स्टॉफ के इलाज से संबंधित सभी उपकरण और दवा आदि रहेगी। पशुपालन विभाग की अन्य योजनाओं की जानकारी भी इससे मिलेगी। पशु चिकित्सा, टीकाकरण, कृत्रिम गर्भाधान आदि की सेवा उपलब्ध रहेगी।

2024 में बूथ की ताकत पर जीतेंगे प्रदेश की 80 सीटें, उपाध्यक्ष बने सतपाल सैनी कार्यकर्ताओं में भरेंगे जोश

मुरादाबाद- भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी की टीम के नवनियुक्त उपाध्यक्ष सतपाल सैनी बूथ प्रबंधन से मिशन 2024 फतह करेंगे। इसके लिए वह बूथ समितियों को असरदार बनाएंगे। संगठन की रणनीति को अमलीजामा पहनाने के लिए कार्यकर्ताओं में जोश भरेंगे। कार्य कारिणी में उपाध्यक्ष का पद बरकरार रखने में कामयाब सैनी के घर जश्न का माहौल है। शनिवार को सतपाल ने अमृत विचार से बातचीत में विस्तार से अपनी बातें

रखीं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पृष्ठभूमि से आने वाले सैनी हर दौर में संगठन की पसंद रहे हैं। तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने उन्हें अपनी कमेटी में उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी जो भूपेंद्र सिंह चौधरी की टीम में भी बरकरार रही। संगठन के पुनर्गठन वाली संरचना में सैनी अपना पद बरकरार रखने में कामयाब हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कोटे से भाजपा में पहुंचे सैनी अविभाज्य मुरादाबाद-संभल जिले के अध्यक्ष रहे हैं, जबकि पार्टी में इनका प्रवेश जिला मंत्री पद पर हुआ। साल 2012 में संगठन के जिलाध्यक्ष बनाए गए। साल 2014 के आम चुनाव में पश्चिमी यूपी की चर्चित संभल लोकसभा क्षेत्र से सांसद निर्वाचित हो गए। यह दीगर बात है कि वर्ष 2019 के चुनाव में पार्टी ने सैनी को मैदान में नहीं उतारा। लेकिन, 2022 के स्थानीय निकाय के चुनाव में विधान परिषद सदस्य पद का उम्मीदवार बना दिया। जिसमें सैनी रिकॉर्ड मत पाकर निर्वाचित हुए। अब 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव की तैयारियों को केंद्र में रखकर वह अपनी हर गतिविधि को पूरा करेंगे। 18 साल तक आरएसएस से जुड़े रहने वाले सैनी का मानना है कि सबका साथ-सबका विकास और सब का प्रयास का नारा अगले चुनाव में पार्टी को कामयाबी देगा। कहते हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनकल्याणकारी कोशिशें और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शासन से जनता प्रसन्न है। बिना भेदभाव के जन कल्याण के कार्यक्रम संचालित हैं, इसका लाभ लेकर पार्टी फिर नरेंद्र मोदी की अगुवाई में सत्तासीन होगी। वह कहते हैं कि हम मूल रूप से पार्टी के कार्यकर्ता हैं। बूथ सशक्तिकरण अभियान को असरदार बनाते हुए अपनी समितियों को मजबूत करेंगे।

सतपाल की ताजपोशी से भाजपाई प्रसन्न

विधान परिषद सदस्य सतपाल सैनी को संगठन में प्रदेश उपाध्यक्ष का दायित्व मिला है। उनके प्रदेश उपाध्यक्ष बनने पर पार्टी पदाधिकारियों में खुशी है। महानगर अध्यक्ष धर्मेन्द्र नाथ मिश्रा, महिला मोर्चा की महानगर अध्यक्ष डा.विजय लक्ष्मी पंडित ने खुशी जताई है।

मोटराइज्ड ट्राई साइकिल पाकर खिले दिव्यांगों के चेहरे, जताया आभार

मुरादाबाद- सर्किट हाउस में समाज कल्याण एवं दिव्यांग सशक्तिकरण मंत्री नरेंद्र कश्यप ने 69 दिव्यांगों को मोटराइज्ड ट्राई साइकिल प्रदान की। साथ ही उनका हौसला भी बढ़ाया। इस असवर पर दिव्यांगजन के चेहरे खुशी से खिल उठे। आयोजित कार्यक्रम में दिव्यांग सशक्तिकरण मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा कि प्रदेशसरकार लगातार दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा में जोड़ने का काम कर रही है।

अदम्य शक्ति के बल पर अंसभव कार्य को भी करें संभव

मुरादाबाद- शक्ति रूप नारी के पास एक रहस्यमयी चाबी है जो सत्यता, सौंदर्य और शक्ति के बंद दरवाजे खोलकर स्वतंत्रता की ओर ले जाती है। इसका उदाहरण है जीजीआईसी लाइनपार की प्रधानाचार्य डॉ. मुक्ता अग्रवाल। उनका मानना है कि नारी के पास एक ऐसी अदम्य शक्ति है जिसके कारण वह अंसभव कार्य को भी संभव कर देती है। सहारनपुर जिले में जन्मी मुक्ता अग्रवाल ने गणित विषय में एमएससी की परीक्षा विशेष योग्यता सहित उत्तीर्ण की। 1993 में मुरादाबाद जिले मे विवाह बाद बीएड परीक्षा उत्तीर्ण कर लोक सेवा आयोग से मात्र एक सीट पर राजकीय बालिका इंटर कॉलेज अमरोहा में गणित प्रवक्ता के रूप में नियुक्त हुईं। विद्यालय का चयन पीएम श्री योजना में चयन हुआ है। नए शैक्षिक सत्र से अब अंग्रेजी माध्यम से भी शिक्षण कार्य शुरू होगा। जोकि एक बढ़ी उपलब्धि है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने निकाला पथ संचलन, भारतीय कालगणना का बताया महत्व

मुरादाबाद- महानगर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने हिंदू नववर्ष व नव संवत्सर पर रविवार को पथ संचलन निकाला। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भारतीय नव वर्ष को अपने प्रमुख उत्सव के रूप में मनाता है। पूर्ण गणवेश में संघ के स्वयंसेवकों ने 24 स्थानों पर पथ संचलन निकाला। संचलन में पुष्प वर्षा कर समाज ने स्वागत किया। वक्ताओं ने भारतीय कालगणना का महत्व बताया। कहा कि विश्व में जितने भी कैलेंडर हैं केवल भारतीय कैलेंडर ही प्रमाणिक

और वैज्ञानिक है। केवल भारतीय पंचांग के द्वारा ही बता सकता कि किस दिन चंद्र ग्रहण या किस दिन सूर्य ग्रहण होगा। लेकिन भारतीय संस्कृति को नष्ट करने के लिए अंग्रेजी सरकार में एक योजना के तहत लॉर्ड मैकाले ने 1850 में एक सर्वे कराया जिसमें उत्तर भारत में 97त्न साक्षरता एवं दक्षिण भारत में 100% साक्षरता की रिपोर्ट आई।लार्ड मैकाले ने भारतीय शिक्षा पद्धति का अध्ययन किया तो पता लगा कि भारत में 7,32,000 गुरुकुल हैं जिनमें 18 विषयों की वर्तमान उच्च शिक्षा शिक्षा दी जाती है। उस समय देश के अंदर 750000 गांव के यानी लगभग एक गांव मैं एक गुरुकुल का औसत था। लार्ड मैकाले ने इन सभी गुरुकुलों को अवैध घोषित कर दिया और 1858 में इंडियन एजुकेशन एक्ट लागू कर उनको बंद करा दिया। अंग्रेजी शिक्षा को कानूनी घोषित किया गया। वर्तमान में यह अवसर है कि हम अपनी संस्कृति पर गर्व करें और इसको हर घर-घर में पहुंचाएं। हिंदू नव वर्ष के स्वागत में प्रकृति प्रकृति अपना सौंदर्य प्रदर्शित करती है खेत हरे-भरे पुष्पित-पल्लवित होते हैं। इस अवसर पर युवाओं का आह्वान कि वह अपनी संस्कृति पर गर्व करें और प्रत्येक घर में अपनी संस्कृति को पहुंचाने में अपनी भूमिका निभाएं। इस अवसर पर प्रमुख रूप से प्रांत व्यवस्था प्रमुख अजय गोयल सुगंध, विभाग प्रचारक वतन कुमार, विभाग संघचालक ओम प्रकाश शास्त्री, विभाग प्रचार प्रमुख पवन कुमार जैन, महानगर संघचालक डॉ विनीत गुप्ता, महानगर कार्यवाह सुरेंद्रपाल सिंह, महानगर प्रचारक विवेक कुमार, संदीप सिंघल, कमलकांत राय, देवेश सिंह, विपिन चौधरी, अनिल कुमार, विकास गोयल, दिनेश गुप्ता, डॉ महेन्द्र, शरद जैन, मयंक , सुभाष कत्याल, राहुल जैन, गोपाल टंडन, उम्मेद राजपुरोहित, अमन जैन, विवेक गुप्ता, अर्जुन अग्रवाल, सौरभ गर्ग, नमन जैन, बाल स्वयंसेवक इवान जैन आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा इनसे उत्पन्न समस्त

राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता समाप्त किए जाने के विरोध में मोदी सरकार के खिलाफ देशव्यापी सत्याग्रह धरना

सत पाल सोनी

दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

लुधियाना – कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता समाप्त किए जाने के विरोध में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ देशव्यापी सत्याग्रह धरना देने के मिले आदेश पर आज सुबह 10=00 बजे से लेकर शाम 05=00 बजे तक जिला कांग्रेस कमेटी शहरी/दिहाती लुधियाना द्वारा कांग्रेस पार्टी के प्रधान कार्यालय के बाहर सत्याग्रह धरना दिया गया।इस धरने की जानकारी देते हुए जिला कांग्रेस कमेटी शहरी लुधियाना के अध्यक्ष संजय तलवाड़ ने बताया कि आज के सत्याग्रह धरने को सम्बोद्धित करते हुए रवनीत सिंह बिट्टू सांसद, भारत भूषण

आशु पूर्व मंत्री, राकेश पांडे पूर्व मंत्री, सुरिंदर डावर पूर्व संसदीय सचिव, कुलदीप सिंह वैद पूर्व विधायक,मलकीत सिंह दाखा पूर्व विधायक, मेजर सिंह मुल्लापुरी अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटीग्रामीण लुधियाना, कामिल सिंह बोपाराय विधानसभा क्षेत्र प्रभारी रायकोट, मनीषा कपूर जिला कांग्रेस कमेटी महिला शहरी लुधियाना, वरिष्ठ उपाध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी शाम सुंदर मल्होत्रा व कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व, पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने कहा कि मोदी सरकार ने जिस तरह से तानाशाही फरमान जारी करके राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता समाप्त कर दी है, मोदी और अडानी, जो दोनों भाइयों के रूप में देश को बर्बाद करने में लगे हुए हैं और मोदी के माध्यम से अडानी जीवन बीमा निगमों और बैंकों से आम लोगों का पैसा लिजाके अपने व्यवसाय में लगा रहा हैं।कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ-साथ आम जनता को भी मोदी की गलत नीतियों का विरोध करना चाहिए, क्योंकि आम लोगों का पैसा ही जीवन बीमा निगमों और बैंकों में जमा है। ये दोनों मिलकर लोगों के पैसे लूट रहे हैं अगर देशवासिओ ने इन दोनों का विरोध नहीं किया तो दोनों मिलकर देश की हालत को और खराब कर देंगे।अगर मोदी सरकार ने लोकसभा में कांग्रेस पार्टी द्वारा पूछे गए सवाल पर ध्यान नहीं दिया इस सत्याग्रह आंदोलन को देश में और तेज करके वार्ड स्तर से लेकर पूरे देश में मोदी सरकार के खिलाफ चलाया जाएगा।इस धरने में बड़ी संख्या में कांग्रेस पार्टी के नेता व कार्यकर्ता मौजूद थे।

सांस्कृतिक व साहित्यिक शाखा का चुनाव सम्पन्न

प्रदीप कुमार गुप्ता

दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

बरेली-भारत विकास परिषद रोहिलखंड पूर्वी प्रान्त सांस्कृतिक व साहित्यिक शाखा बरेली का प्रान्तीय सम्मेलन,चुनाव मनोनयन व सम्मान कार्यक्रम रविवार को होटल सीता किरन में क्षेत्रीय अध्यक्ष एनसीआर 1 – नरेंद्र अरोरा संयुक्त क्षेत्रीय महासचिव एन0 सी0 आर01 के पर्यवेक्षण में चुनाव सम्पन्न हुए। रोहिलखंड पूर्वी प्रान्त के सरंक्षक प्रभात सक्सेना व हनी अग्रवाल,प्रान्तीय अध्यक्ष संजीव जोली,महासचिव राहुल यदुवंशी।प्रान्तीय उपाध्यक्ष डॉ पंकज शर्मा,प्रान्तीय कोषाध्यक्ष हिमांशू छाबड़ा ,महिला संयोजिका ज्योति खुराना, प्रान्तीय संयोजक संपर्क एस0 के0 कपूर मनोनीत किए गए। उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रथम पुरस्कार पीलीभीत नगर शाखा द्वितिय पुरस्कार हमारी सांस्कृतिक व साहित्यिक शाखा तथा तृतीय पुरुस्कार पांचाल नगरी शाखा बरेली को प्रदान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलन व वंदेमातरम समापन एस0 के 0कपूर के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ। सभी शाखाओं के अध्यक्षों ने अपने सदस्यों का परिचय करवाया। शाखा सचिवों ने शाखा की संक्षिप्त विवरण निर्धारित प्रारूप में प्रस्तुत किया।सांस्कृतिक व साहित्यिक शाखा के सदस्यों का परिचय दिलीप कुमार अग्रवाल अध्यक्ष ने तथा सचिव की रिपोर्ट (कुल 51 कार्यक्रम की संक्षिप्त विवरण) डॉ मीनाक्षी चंद्रा ने प्रस्तुत किए। डॉ तरुण शर्मा , नरेंद्र अरोड़ा के उद्बोधन व सम्प्रेषण ने सबका वास्तविक मार्गदर्शन किया।अंत में राष्ट्रीय गान व भोजन के साथ कार्यक्रम पूर्ण रूप से समाप्त हुआ।

संक्षिप्त समाचार

पटरियों से हटवाया अतिक्रमण

लंकीन प्रसाद वर्मा

दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

श्रावस्ती – जिलाधिकारी नेहा प्रकाश के निर्देशानुसार नगर पंचायत इकौना में अधिशासी अधिकारी विनीत कुमार द्वारा कर्मचारियों के साथ इकौना नगर में हो रहे जाम को लेकर संजय पार्क से पुरानी शराब भट्ठी तक सभी दुकानदारों जो अवैध तरीके से पटरियों पर अतिक्रमण करके दुकान लगाये हुए है, वहां अतिक्रमण हटवाया गया तथा शासन के निर्देशानुसार प्रतिबन्धित पॉलीथीन, प्लास्टिक जो दुकानदार बेच रहे है, उन दुकानदारों का चालान किया गया। इस मौके पर भगत राम यादव, रीतेश कुमार, सौरभ आर्य, धर्मेन्द्र यादव, ओमप्रकाश गुप्ता, राजमणि वर्मा आदि मौजूद रहे।

नाजायज चाकू के साथ एक वारंटी गिरफ्तार

अरविन्द कुमार यादव

दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

श्रावस्ती – पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह द्वारा जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार सिंह थाना कोतवाली भिनगा जनपद श्रावस्ती क्षेत्र भ्रमण के दौरान मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त सुंदा उर्फ सुरेंद्र पुत्र रामदेव निवासी भरथा बेलभारिया थाना भिनगा जनपद श्रावस्ती को एक नाजायज चाकू के साथ गिरफ्तार किया।अभियुक्त के विरुद्ध थाना को0 भिनगा पर मुकदमा आयुध अधिनियम में अभियोग पंजीकृत किया गया। अभियुक्त के विरुद्ध माननीय न्यायालय द्वारा गैर जमानती वारंट भी निर्गत किया गया था।

पीपीबीएम की राज्य कार्यकारिणी का फैसला, पंजाब सरकार की व्यापार विरोधी नीतियों के खिलाफ

अमृतसर में होगा राज्य स्तरीय व्यापार सम्मेलन

सत पाल सोनी

दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

लुधियाना – पंजाब प्रदेश व्यापार मंडल (पीपीबीएम) के राज्य कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक अध्यक्ष प्यारा लाल सेठ, महासचिव एलआर सोढ़ी, महासचिव समीर जैन, महासचिव सुनील मेहरा, जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में हुई। अध्यक्ष अरविंदर मक्कड़, जिला महासचिव आयुष अग्रवाल व अध्यक्ष पवन लहर सहित व्यापारियों की समस्याओं पर चर्चा की गई । इस अवसर पर बोलते हुए नेताओं ने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा 1.96 लाख करोड़ रुपये के बजट की

घोषणा की गई है, जिसमें व्यापार और उद्योग के लिए केवल 3700 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिसमें से बिजली सब्सिडी का प्रावधान है। 3400 करोड़ रु. उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार ने किसानों, स्वास्थ्य क्षेत्र और शिक्षा क्षेत्र की तुलना में व्यापार और उद्योग के साथ सौतेला व्यवहार किया है। आज की मीटिंग में तय किया गया कि पंजाब में व्यापारियों के लिए नई ट्रेडर्स पॉलिसी लानी होगी और उसे केंद्र की ट्रेडर्स पॉलिसी के साथ जोड़ना होगा। इन सभी मांगों को भगवंत मान की राज्य सरकार के पास भेजा जाएगा और सरकार पर इन मांगों को जल्द से जल्द मानने का दबाव बनाने का प्रयास किया जाएगा. राज्य सरकार से भी आग्रह किया जाएगा कि पंजाब में व्यापार के अनुकूल माहौल सुनिश्चित किया जाए ताकि पंजाब के व्यापारी दूसरे राज्यों और देशों के व्यापारियों के साथ प्रतिस्पर्धा कर सकें। इसके अलावा, पीपी बीएम नेताओं ने कहा कि अगले महीने अमृतसर में एक पंजाब व्यापार सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, ताकि राज्य के व्यापारियों के समुदाय के लंबित मुद्दों पर भविष्य की रणनीति पर चर्चा की जा सके। जरूरत पड़ी तो पंजाब के व्यापारी पंजाब सरकार के दोस्ताना रवैये का विरोध भी करेंगे।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

पुलिस अधीक्षक ने थाना हरदत्त नगर गिरंट का किया आकस्मिक निरीक्षण

प्रेमचंद जायसवाल

दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

श्रावस्ती -पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह द्वारा थाना हरदत्त नगर गिरंट का आकस्मिक निरीक्षण किया गया।थाना पर स्थापित महिला हेल्प डेस्क का भ्रमण कर हेल्प डेस्क पर तैनात महिला कर्मचारियों से वार्तालाप की गई तथा सभी को बताया गया कि थाने पर जो भी आगंतुक महिलाएं शिकायत

लेकर आए उनकी समस्या को सरलता पूर्वक सुना जाए एवं यथाशीघ्र निस्तारण हेतु थाना प्रभारी सहित संबंधित को अवगत कराया जाए तथा अपने कार्यों/दायित्वों को अच्छी तरह से निर्वहन करें।इसके अतिरिक्त सभी बीट आरक्षियों को बीट व्यवस्था के अंतर्गत जांच हेतु प्राप्त प्रार्थना पत्रों के निस्तारण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। चैत्र नवरात्रि/ रमजान पर्व के दृष्टिगत बताया गया कि क्षेत्र में चौपाल लगाकर जनमानस से संवाद करें, उनकी समस्याओं को सुनें, आम जनमानस से मधुर व्यवहार रखा जाए तथा उन्हें प्रेरित करें कि आपके आस-पास हो रही संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी पुलिस को दे। आदि का भ्रमण किया गया। इस दौरान अभिलेखों के रखरखाव व परिसर की साफ सफाई व लम्बित माल मुकदमाती वाहनों/मालों के निस्तारण हेतु थाना प्रभारी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार क्षेत्राधिकारी जमुनहा सतीश शर्मा,थाना प्रभारी उमेश सिंह सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच हुई उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग लखनऊ की परीक्षा

प्रदीप कुमार गुप्ता

दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

बरेली- उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग लखनऊ की परीक्षा रविवार को श्री पी0सी0आजाद इण्टर कॉलेज में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच स्टेटिक मजिस्ट्रेट बबीता रस्तोगी, केन्द्र इंचार्ज भावना सिंह,केन्द्र अधीक्षक डाक्टर राजेन्द्र कुमार गंगवार, डॉक्टर मेहरबान सिंह, के नेतृत्व में परीक्षा सुबह 10बजे 12बजे तक हुई। केन्द्र पर

कुल पंजीकृत 480 छात्रों में 127ने ही परीक्षा दी। जबकि 253ने परीक्षा छोड़ दी। परीक्षा में शिक्षक जलज सक्सेना, छदम्मी लाल, नीरज गंगवार जयवीर तोमर, गायत्री देवी शर्मा ,प्रमोद स्वरूप, सुरेन्द्र शर्मा, खेमपाल गंगवार, आरती पांडेय ,प्रदीप कुमार गुप्ता, संतोष , भारती माला, शालिनी सक्सेना, विनोद गंगवार,वरिष्ठ लिपिक चौधरी पंकज सिंह, सहित तमाम स्टाफ मौजूद रहा।

संक्षिप्त समाचार

आई.एम.ए.सेंट्रल काउंसिल एवं स्टेट काउंसिल के लिए कई डाक्टर हुऐ चयनित

निशाकांत शर्मा
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच
एटा-गत दिवस आई.एम.ए. की एटा ब्रांच एक जनरल बॉडी मीटिंग अध्यक्ष डा.आशुतोष गुप्ता की अध्यक्षता में निज निवास पर संपन्न हुई ! इस बैठक में सर्वसम्मति एवं ध्वनिमत से डा. श्याम सिंह शाक्य एवं डा.शैलेंद्र जैन को आई.एम.ए. की सेंट्रल काउंसिल तथा डा.अनुराग प्रकाश गुप्ता, डा.ललित कांत वार्ष्णेय एवं डा.राहुल वार्ष्णेय को आई. एम.ए. की स्टेट काउंसिल के लिए चयनित किया गया ! सभी नवचयनित सदस्यों को आई.एम. ए.सचिव डा.ऋषभ सक्सेना ने बधाई दी ! बैठक में डा विनोद लालवानी,डा.ओ.पी. वार्ष्णेय,डा. वी.के.गुप्ता, डा. वीरेंद्र पाल,डा. निर्मल जैन,डा.भगवान शरण, डा. हरिओम गुप्ता,डा.रूपा जैन,डा.हरीश गुप्ता,डा.हर्षवर्धन बिसारिया,डा. पी.के .मित्तल,डा. राजेश सक्सेना,डा ए के सक्सेना,डा मोहित गुप्ता,डा अंशुल गुप्ता,डा निधि गुप्ता, डा पल्लवी गुप्ता,डा वैभव गुप्ता,डा अभिषेक गुप्ता एवं डा आशीष तोमर आदि मौजूद रहे!

चार भाइयों पर गैंगरेप का आरोप, पिता ने ताना तमंचा

निशाकांत शर्मा-दैनिक क्यूँ न लिखूं सच
एटा-अलीगंज- पीड़िता ने चार भाइयों पर गैंगरेप करने का आरोप लगाया है। खेत पर डरा धमकाकर दुष्कर्म का आरोप लगाया है साथ ही आरोप है कि पिता ने तमंचा तान दिया था। पीड़ित ने सीएम से शिकायत की। मामले में पिता-पुत्रों पर रिपोर्ट दर्ज हुई है। थाना जसरथपुर के एक गांव निवासी पीड़िता ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि 13 मार्च को खेत पर गई थी। आरोप है कि दिव्यांशु ने कॉल कर बुलाया था। पहले से उर्वेश उर्फ उसुआ, गुल्ला सिंह, पप्पन, पिता खेतपाल भी मौजूद रहे। आरोप है कि तमंचा दिखाकर चार भाइयों ने गैंगरेप किया। पिता तमंचा लेकर रखवाली कर रहा था। मामले की शिकायत सीएम से की गई। शिकायत के पांच आरोपियों पर रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। जसरथपुर पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

घर में सोते समय महिला को पकड़ा, दुष्कर्म का प्रयास

अलीगंज। घर में सोते समय महिला को पकड़ लिया और दुष्कर्म का प्रयास किया। कनपटी पर तमंचा रखने से पीड़िता घबरा गई। पीड़िता ने तीन नामजद सहित छह आरोपियों पर रिपोर्ट दर्ज कराई है। कोतवाली अलीगंज के एक गांव निवासी पीड़िता ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि 23 मार्च की रात को घर पर सो रही थी। आरोप है कि आरोपी अंबल, गौरव, विनोद उर्फ पप्पू निवासी नगला बहादुर जसरथपुर घर में घुस आए। घर में घुसकर छेड़खानी की। तमंचा तानकर दुष्कर्म का प्रयास किया। चीख की आवाज सुनकर लोगों को आता देख आरोपी धमकी देते हुए भाग गए। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है

जमीन पर खोदाई से फैला तनाव मुस्लिम समाज ने जताई नाराजगी

निशाकांत शर्मा-दैनिक क्यूँ न लिखूं सच
एटा-जमीन पर खोदाई के बाद दो समुदाय के लोग आमने-सामने आ गए। मुस्लिम समुदाय ने जमीन को कब्रिस्तान की बताते हुए विरोध जताया। दूसरे पक्ष ने जमीन को पट्टे की भूमि बताई। जानकारी पर पहुंची पुलिस ने काम को रूकवा दिया। दोनों पक्षों को शनिवार सुबह थाना पर बुलाकर जमीन से संबंधित दस्तावेज मांगे है। अलीगंज में सराय अड्डा अमरौली मार्ग पर एक जगह पड़ी है। वहीं पास में सटी हुई कुछ बंजर भूमि थी जिसकी चकबन्दी होने के बाद पट्टे भी कर दिए गए। जमीन पर मोहल्ला छेदालाल गोड़ निवासी महावीर प्रसाद अपने पट्टे की भूमि होने का दाव करते है और शुक्रवार रात को जेसीबी से खोदाई करने पहुंच गए। खोदाई की जानकारी मिलते ही मुस्लिम समाज के भी लोग एकत्रित हो गए। विवाद बढ़ता देख अलीगंज पुलिस मौके पर पहुंच गई और काम को रूकवा दिया गया। दोनों पक्ष को शांत कराते हुए शनिवार को थाने आने को कहा। शनिवार को दोनों पक्ष थाना दिवस में पहुंचे। एसडीएम, मानवेन्द्र सिंह, सीओ विक्रांत द्विवेदी की देखरेख में दोनों पक्ष ने अपनी-अपनी बात रखी। महावीर प्रसाद ने बताया कि विगत दो दिन पूर्व राजस्व विभाग टीम ने पट्टे की पैमाइश की थी। पैमाइश होने के बाद शुक्रवार शाम के नींव भरने गए थे। दूसरे पक्ष मुबारक खान ने बताया कि यह कब्रिस्तान 1872 में दर्ज किया गया था जो वर्ष 1900 में चालू हुआ, जो अब तक है। वही इस पर विवाद भी हुआ जो वर्ष 1985 व वर्ष 2008 में पट्टे को लेकर हुआ था। सरकारी अभिलेख खतौनी में यह कब्रिस्तान दर्ज है इस जगह पर कब्र भी बनी हुई है। दोनों पक्ष के लोगों ने अपने-अपने कागज भी दिखाएं। दस्तावेज देखने के बाद दोनो पक्षों को समय दिया गया है। आदेश दिए गए है कि रमजान के बाद उक्त जगह पर निर्णय लिया जाएगा। दोनों पक्ष शांत बनाएं रखे।

चोरों ने भगवान बुद्ध की मूर्ति काट कर की चोरी

निशाकांत शर्मा-दैनिक क्यूँ न लिखूं सच
एटा-जलेसर में चोरों के हौसले हुए बुलंद- चोरों ने भगवान बुद्ध की मूर्ति काट कर की चोरी अष्टधातु की बताई जा रही है मूर्ति स्थायी लोगों के मुताबिक करीब 2 करोड़ कीमत की बताई जा रही मूर्ति लोगों को मुताबिक वर्ष 1977 में थाईलैंड से मंगवाई गई थी मूर्ति अनुयायियों ने जल्द चोरी की खुलासा करने की उठाई मांग कोतवाली जलेसर क्षेत्र के श्री ज्ञान रत्न बुद्ध बिहार मंदिर का मामला एटा जिले में लगातार क्राइम बढ़ता जा रहा है आज जनपद एटा में दो बड़ी घटनाओं को अंजाम दिया गया। पहली अलीगंज में दूसरी जलेसर में। पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

पूर्व विधायक रामेश्वर, जुगेन्द्र और प्रमोद पर एक और मुकदमा

निशाकांत शर्मा
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच
एटा-जबरन बैनामा कराने तथा बंधक बनाने के मामले में सपा के पूर्व विधायक रामेश्वर सिंह, जुगेंद्र सिंह सहित तीन तीन लोगों पर एक और एफआईआर दर्ज हो गई। एसएसपी के आदेश के बाद थाना जैथरा में तीन आरोपियों के विरूद्ध दर्ज कर की गई है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। थाना जैथरा के गांव कसौलिया निवासी

अनोखे लाल ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि वृद्ध व्यक्ति है। पिता के नाम गांव में जमीन थी। इसे वह बेच चुके थे। प्लाटिंग में बैनामा न होने के कारण खाली जमीन की अमल दरामद नहीं हुई थी। उस जमीन को पूर्व विधायक रामेश्वर सिंह , जुगेन्द्र सिंह, प्रमोद कुमार ने तीनों ने कोठी पर बंधक बनाकर रखा। 15 दिन तक बंधक बनाकर रखने के साथ ही पिटाई भी करते थे। आरोप है कि 29 अगस्त 2008 को दो लाख देकर अलीगंज स्थित तहसील ले गए। तहसील में ले जाकर जबरन बैनामा करा लिया है, जिसकी शिकायत पीड़ित ने कई बार थाने में आकर की। मामले में कोई भी कार्रवाई नहीं हुई। सत्ता में होने के कारण भय के चलते शिकायत करने जाना ही बंद कर दिया। मामले में पीड़ित ने एसएसपी से शिकायत की। शिकायत पर जांच के बाद थाना जैथरा में रिपोर्ट दर्ज हो गई है। जैथरा पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

एनडीपीएस एक्ट के मामले में एक आरोपी को न्यायालय से 01 वर्ष कठोर कारावास एवं 5000 रूपये के जुर्माने की मिली सजा

निशाकांत शर्मा-दैनिक क्यूँ न लिखूं सच
एटा-पुलिस की प्रभावी पैरवी एवं सतत निगरानी के चलते एनडीपीएस एक्ट के मामले में एक आरोपी को दोषी पाते हुए माननीय न्यायालय से 01 वर्ष कठोर कारावास एवं 5000 रूपये के जुर्माने की मिली सजा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एटा श्री उदय शंकर सिंह के निर्देशन में जनपदीय मॉनिटरिंग सेल द्वारा लगातार निगरानी रखते हुए- आज दिनांक 25.03.23 को अभियुक्त रियाज पुत्र इशहाक निवासी मौ0 नवाब बन्टू नगर थाना कासगंज संबंधित मु0अ0सं0 01/2012 धारा 8/22 एनडीपीएस एक्ट थाना को0 देहात एटा को दोषी पाते हुए मा0 न्यायालय स्पे0 एनडीपीएस एक्ट एटा द्वारा अभियुक्त को 01 वर्ष कठोर कारावास एवं 5000 रूपये अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

गोली लगने से बचने के लिए बेटी ने पिता से की थी गुत्थमगुत्था, राइफल से बचने के लिए खूब जूझी

निशाकांत शर्मा
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच
एटा-आवास विकास कॉलोनी के निवासी नरेंद्र सिंह यादव मूल रूप से मैनपुरी के गांव रूरिया के निवासी थे। मानपुर नगरिया स्थित शेरवानी इंटर कॉलेज में वर्ष 2000 में उनकी तैनाती भौतिक विज्ञान के प्रवक्ता के रूप में हुई थी। आवास विकास कॉलोनी में वह खुद का मकान बनाकर बेटी जूही, पत्नी शशिप्रभा के साथ रह रहे थे। बेटी जूही भी पढ़-लिखकर गांव मिर्जापुर के प्राथमिक विद्यालय में सहायक अध्यापक के रूप में तैनात थी। जूही से छोटा बेटा अभिषेक नोएडा में रहकर संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा की तैयारी कर रहा है।

मैनपुरी से शाम को पहुंचे परिवारीजन

कासगंज। शिक्षक नरेंद्र व बेटी जूही की मौत की सूचना जब मैनपुरी में परिजनों को हुई तो शाम चार बजे के बाद परिजन वाहनों से जिला अस्पताल पहुंचना शुरू हो गए। परिजन जब जिला अस्पताल पहुंचे तो उनका रो-रोकर बुरा हाल था। पुलिस व शुभचिंतकों ने बेटे अभिषेक को भी फोन पर सूचना दे दी है। आवास विकास कालोनी में शनिवार की दोपहर हुई घटना में पिता नरेंद्र के हाथ में राइफल देखने के बाद बचाव को बेटी जूही खूब जूझी। पुलिस को जांच के दौरान पता चला कि बेटी जैसे ही घर में घुसी तो उसे देखते ही पिता ने कहासुनी शुरू कर दी। धीरे-धीरे बात इतनी बढ़ गई कि शिक्षक नरेंद्र सिंह ने अपनी ही बेटी पर राइफल तान दी। अचानक पिता के हाथ में राइफल देखकर जूही घबरा गई और उसने पिता से राइफल छीनने और उसके निशाने से बचने की काफी कोशिश की। इस दौरान पिता-पुत्री में खूब गुत्थमगुत्था भी हुई। काफी प्रयास करने के बाद भी जूही अपना बचाव करने में नाकामयाब रही। राइफल से चली गोली जूही के हाथ से रगड़ते हुए उसके सीने में जा लगी, जिससे उसकी मौत हो गई। अपने ही हाथों से बेटी की हत्या करने के बाद शिक्षक नरेंद्र बदहवास हो गए और उन्होंने खुद को भी गोली मार ली। उनके भी सिर में गोली लगी और कुछ ही देर में उनकी भी मौत हो गई।

जिला अस्पताल में मिलने वालों की भीड़

शिक्षक नरेंद्र सिंह यादव व बेटी जूही की मौत की सूचना जैसे ही उनके शुभचिंतकों को मिली तो वह जिला अस्पताल पहुंचना शुरू हो गए। डीआईओएस एसपी सिंह के अलावा उनके साथी प्रधानाचार्य व शिक्षक भी शोक संवेदनाएं व्यक्त करने के लिए जिला अस्पताल पहुंचे। जिला अस्पताल में देरशाम तक शिक्षक व शुभचिंतक मौजूद थे।

बेटी से गुस्साए गुरुजी पर हुआ खून सवार

शिक्षक समाज का दर्पण होते हैं। वह हर परिस्थिति में विद्यालय, समाज में रहकर विद्यार्थी से लेकर बड़ों तक का मार्गदर्शन करते हैं, लेकिन शहर की आवास विकास कालोनी निवासी शिक्षक नरेंद्र सिंह पर अपने ही घर की पारिवारिक स्थितियों के चलते खून सवार हो गया। आपा खो बैठे शिक्षक ने गोली चलाकर बेटी व खुद का खून बहा दिया।

शिक्षक की पत्नी की तबियत बिगड़ी, भर्ती

बेटी की हत्या और बाद में पति को खुद गोली मारकर आत्महत्या करता देख शिक्षक की पत्नी शशिप्रभा की तबीयत बिगड़ गई। कॉलोनी के लोगों ने पुलिस की मदद से उन्हें शहर के अशोक नगर सीएचसी में भर्ती कराया है। शहर में परिवार के अन्य लोग न होने की वजह से उनके शुभचिंतक ही इस मामले में मदद को आगे आए हैं।

बेटा दिल्ली में, घर में रह गई सिर्फ मां

आवास विकास कॉलोनी के घर में नरेंद्र अपनी बेटी जूही व पत्नी शशिप्रभा के साथ रहते थे। बेटा दिल्ली में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा है। शनिवार को नरेंद्र ने बेटी जूही की गोली मारकर हत्या करने के बाद खुद भी गोली मारकर आत्महत्या कर ली। बेटा अभिषेक नोएडा में है तो घर में सिर्फ उसकी मांग शशिप्रभा रह गईं हैं।

चार सदस्यो की टीम की देख रेख और जांच पड़ताल के बाद, भाजपा ज्वाइनिंग होगी वैध - रजनीश धीमान

सत पाल सोनी
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच
लुधियाना - जिला भाजपा अध्यक्ष रजनीश धीमान ने एक बयान जारी कर कहा कि आज भाजपा प्रत्येक व्यक्ति की पसंदीदा पार्टी बन रही है और प्रत्येक व्यक्ति भाजपा ज्वाइन करना चाहता है।इसके लिए जो 4 सदस्यो की एक टीम बनी हुई है,उसकी देखरेख और जांच पड़ताल के बाद जिलाध्यक्ष के द्वारा की गई ज्वाइनिंग को ही भाजपा में वैध माना जाएगा।टीम में वरिष्ठ सदस्य सतपाल सग्गड़,पंजाब भाजपा कार्यकारिणी सदस्य पूर्व ज़िला अध्यक्ष जितेंद्र मित्तल, डा.सुभाष वर्मा, उमा दत शर्मा शामिल है।ये लोग पहले भाजपा ज्वाइन करने वालो की सक्रूटनी कर जिलाध्यक्ष को रिपोर्ट करेंगे।उसके बाद जिलाध्यक्ष द्वारा की गई ज्वाइनिंग को वैध माना जायेगा।

कुदरगढ़ महोत्सव में खेल प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

वॉलीबॉल एवं कबड्डी खिलाड़ियों का किया हौसला अफजाई

रामचंद्र जायसवाल
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच
सूरजपुर- प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी कुदरगढ़ महोत्सव का आयोजन जिला प्रशासन सूरजपुर द्वारा दिनांक 26 से 28 मार्च तक जिले के ओडगी विकासखंड के मां बागेश्वरी के पावन धाम कुदरगढ़ में किया जा रहा है। इस अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा खेल प्रतियोगिता के रूप में कबड्डी व वॉलीबाल का आयोजन किया जा रहा है। प्रथम दिवस दोनो खेलों के 8-8 टीमों के बीच खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में खाद्य मंत्री अमरजीत भगत और भटगांव विधायक श्री पारसनाथ रजवाड़े द्वारा दोनों खेल के खिलाड़ियों के बीच जाकर परिचय प्राप्त कर हौसला अफजाई किया गया। इस अवसर पर मुख्य अथिति के रूप में छत्तीसगढ़ शासन के खाद्य मंत्री अमरजीत भगत, भटगांव विधायक पारसनाथ रजवाड़े, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष शिवबालक यादव, जनपद सदस्य राजू कुमार गुप्ता, कुदरगढ़ ट्रस्ट अध्यक्ष भुवन सिंह आदि अतिथिगण उपस्थित रहे। वॉलीबाल में कोटेया, ओडगी, भटगांव, बैजनाथपुर, गोंदा, रामानुजनगर, लटोरी, सुंदरगंज तथा कबड्डी में ओडीगी, स्टार क्लब रामानुनगर, प्रतापपुर, देवनगर, सूरजपुर, स्टार क्लब गंगोटी, सूरजपुर व ओडगी के मध्य प्रतियोगिता की गई, प्रथम दिवस के विजेता टीमों का फाइनल मैच 28 मार्च को कुदरगढ़ महोत्सव के समापन अवसर पर किया जायेगा। खेल प्रतियोगिता का लुत्फ लेने के लिए कुदरगढ़ महोत्सव में आए हुए श्रद्धालु, खेल प्रेमी, खिलाड़ीगण आदि उपस्थित रहे।

दिव्यांगजन प्रमाणीकरण शिविर में 223दिव्यांग्जनो का परीक्षण, विधायक ने दिव्यांगजनों को चिकित्सा प्रमाणपत्र वितरित किए

ग्यासुद्दीन
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच
गौरेला पेंड्रा मरवाही- दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 एवं यूनिक आईडी योजना के तहत आज समाज कल्याण विभाग द्वारा दिव्यांग स्त्रोत केन्द्र मरवाही में खण्ड स्त्रीय दिव्यांग जन प्रमाणीकरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 223 दिव्यांग्जनो का परीक्षण किया गया। जिसमे आस्थिबाधित 84, श्रावण बाधित 102, दृष्टि बाधित 30, सिकलसेल 07, का पंजीयन किया गया। शिविर में विधायक डॉ.के.के.ध्रुव ने दिव्यांगजनों को चिकित्सा प्रमाणपत्र वितरित किए।
शिविर में डॉ. बी. पी. चंद्रा सिविल सर्जन, डॉ. हेमंत कुमार तंवर अस्थि रोग विशेषज्ञ, डॉ. रागनी मराबी नेत्र रोग विशेषज्ञ, डॉ.कासिम हसन खान एवं डॉ. योगेश कोटवानी नाक कान गला विशेषज्ञ, श्री मोहन मुरली सोनी आडियोलॉजिस्ट, श्री परमजीत पैकरा लैब टेक्नेशियन के द्वारा प्रमाणीकरण एवं परीक्षण कर चिकित्सा प्रमाण पत्र जारी किया गया। इस अवसर को समाज कल्याण विभाग के सहायक संचालक श्री जे.के.श्रीवास्तव, सुनील मिश्रा, कोमल सोनी, विक्रम कोल, ताराचंद राठौर, राम सिंह उपस्थित रहे। यहां उल्लेखनीय हैं की जिला स्थापना के बाद नव पदस्थ मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ अधिकारी डॉ. ई. नागेश्वर राव के विशेष प्रयास से पहली बार खण्ड स्त्रीय दिव्यांग प्रमाणिकरण शिविर के लिऐ नाक कान गला विशेषज्ञ एवम आडियोलॉजिस्ट की व्यवस्था की गई, जिससे मूकबधिर एवं श्रवण बाधित दिव्यांगजनो का परिक्षण कर चिकित्सा प्रमाण पत्र जारी किया जा सका।

जमीन विवाद को लेकर भाई ने भाई को मौत के घाट उतारा

रामचंद्र जायसवाल
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच
सूरजपुर- बिहारपुर- चांदनी बिहारपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत विशालपुर में भाई ने सगे भाई को बलुआ पत्थर लाठी से मारकर मौत के घाट उतार दिया मामला यह था कि ग्राम विशालपुर निवासी रामलाल सिंह ने शासकीय जमीन को खुदवा कर खेत बनवाया था जिसमें हिस्सा बंटवारा मांग रहा था मृतक भाई रामगोविन्द सिंह उम्र लगभग 50 वर्ष तो नहीं देने पर मृतक जेसीबी मशीन लेकर के खेत बनवाने जा रहा था उसी दरमियान अनावेदकगण पहुंचें मौके पर बलुआ पत्थर लाठी से सिर पर वार कर दिया गंभीर चोटें आई मौके पर ही मौत हो गया पुलिस मौके पर पहुंच कर शव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिहारपुर में पोस्टमार्टम के लिए भेजा है मामले की जांच कर रही है और क?ई लोगों को चोटें आई हत्या और शामिल होने की खबर आ रही आरोपी फरार बताया जा रहा है।

कुदरती आपदा से निपटने के लिये आपदा मित्र परियोजना तहत ट्रेनरों द्वारा वालंटियर्स को दी गई ट्रेनिंग

सत पाल सोनी
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच
लुधियाना -आपदा मित्र परियोजना तहत ट्रेनरों द्वारा दी गई ट्रेनिंग में वालंटियर्स को विभिन्न तकनीक द्वारा प्रशिक्षित किया गया।सैशन दौरान वालंटियर्स द्वारा कुदरती आपदा से निपटने के लिऐ ट्रेनरों के समक्ष डेमो कर सिखाई तकनीक दिखाई गई।समापन कार्यक्रम में एसडीएम कोहली, एससीडी सरकारी कॉलेज के प्रिंसिपल तनवीर लिखारी,सिविल डिफैंस चीफ वार्डन गुरचरण सिंह व अन्य मेहमान शामिल हुऐ।
आऐ मेहमानों का स्वागत बड़े शानदार ढंग से किया गया।एसडीएम कोहली व चीफ वार्डन गुरचरण सिंह को बुक्के देकर सन्मानित किया गया।इस अवसर पर प्रो.जे.एस.भाटिया ने बताया कुदरती व अन्य आपदा में लोगों की सेवा के लिऐ वालंटियर तैयार किऐगए है।इस उपरांत वालंटियर को सिखलाई सर्टिफिकेट व आईकार्ड वितरित किऐ गए।स्टेज पर वालंटियर्स द्वारा आपदा मित्र ट्रेनरों का विशेष धन्यवाद किया गया।प्रोग्राम दौरान स्टेज पर वालंटियर्स द्वारा सिखलाई समापन समय रंगारंग कार्यक्रम पेश कर आये मेहमानों का मन मोह लिया गया।
इस अवसर पर चीफ वार्डन गुरचरण सिंह,डिप्टी चीफ वार्डन राज कुमार कश्यप, डीविजन वार्डन बी.एस.ठाकुर,डीविजन वार्डन सुदर्शन खन्ना, चरणजीत सिंह,दर्शन लाल,एडवोके ट परमजीत कपूर,भूपिंदर सिंह, जोगिंदर सिंह,अमरजीत सिंह भट्टी, आपदा मित्र से संजीव कुमार,गुलशन हीरा कुआर्डिनेटर,योगेश जूनिआल, दीक्षांत ,स्टेमिन तुला, अंकुर शर्मा ,प्रतिष्ठा शर्मा, अंशुल, योगेश शर्मा, सुनील जरियाल,काव्या शर्मा व अन्य शामिल हुए।

बाइक सवार को ओवर लोड ईंट से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली ने कुचला

एक की मौके पर हुई मौत दूसरा गम्भीर रूप से घायल

सुमित गुप्ता
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच
जनपद पीलीभीत के तहसील अमरिया क्षेत्र में धुंधरी रोड पर बाइक सवार को ईंट से भरी ओवर लोड ट्रैक्टर ट्रॉली ने कुचला एक की मौके पर हुई मौत दूसरा गंभीर रूप से घायल जिसकी मौके पर मौत हुई सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंच गई पुलिस ने शब को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

डोंगरिया में आयोजित कार्यक्रम में विधायक, कलेक्टर सहित बड़ी संख्या में शामिल हुए जनप्रतिनिधि और ग्रामीण

रीपा के तहत निर्मित औद्योगिक इकाइयों का मुख्यमंत्री ने किया वर्चुअली लोकार्पण

ग्यासुद्दीन
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच
गौरेला पेंड्रा मरवाही- विधायक डॉ के के ध्रुव ने फीता काटकर एलईडी बल्ब निर्माण इकाई और पेपर कप, प्लेट एवं थाली निर्माण इकाई का किया शुभारंभ मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज हाई स्कूल ग्राउंड सरगांव जिला मुंगेली में आयोजित राज्य स्तरीय 卐भरोसे का सम्मेलन卐 कार्यक्रम में रीपा के तहत निर्मित लघु औद्योगिक इकाइयों का लोकार्पण किया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने विभिन्न न्याय योजनाओं के तहत किसानों एवं हितग्राहियों के खाते में राशि हस्तांतरित, बेरोजगारी भत्ता योजना के वेबसाइट का लोकार्पण एवं छत्तीसगढ़ सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण 2023 का एप्लीकेशन भी लांच किया। मरवाही विकासखंड के ग्राम पंचायत डोंगरिया में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में विधायक डॉक्टर के के ध्रुव, कलेक्टर श्रीमती प्रियंका ऋषि महोबिया सहित बड़ी संख्या में समूह की महिलाएं, जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण शामिल हुए। विधायक डॉक्टर ध्रुव ने एलईडी बल्ब निर्माण इकाई और पेपर कप, प्लेट एवं थाली निर्माण इकाई का फीता काटकर शुभारंभ किया। इसी तरह जिले के छह पंचायतों में रीपा के तहत निर्मित विभिन्न लघु औद्योगिक इकाइयों का स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने शुभारंभ किया है। इस अवसर पर विधायक ने अपने संबोधन में कहा मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने किसानों, महिलाओं, छात्र-छात्राओं सहित समाज के सभी वर्गों के कल्याण और विकास के लिए योजनाएं लागू कर उन्हें स्वावलंबी बना रहे हैं। उन्होंने समूह की महिलाओं से चर्चा कर उनके द्वारा बनाए जा रहे एलईडी बल्ब के विभिन्न पुर्जों की बारीकियों की जानकारी ली तथा अपने समक्ष बल्ब निर्माण करवा कर उसे जलाकर जांच की। इसी तरह पेपर कप, प्लेट एवम थाली निर्माण मशीन का भी अवलोकन किया और समूह की महिलाओं से चर्चा की। कलेक्टर श्रीमती महोबिया ने कहा कि जिले में 6 पंचायतों में रीपा के तहत मल्टीएक्टिविटी सेंटरों का लोकार्पण किया गया। उन्होंने रीपा नियोजित सभी लोगों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बाजार में प्रतिस्पर्धा है इसलिए रीपा में निर्मित उत्पाद गुणवत्ता पूर्ण हो ताकि उनकी अच्छी मार्केटिंग हो सके। उन्होंने कहा कि रीपा के माध्यम से गांवो में ही रोजगार मिल रहा है। जितना काम करोगे उतना फायदा होगा। उन्होंने समूह की महिलाओं द्वारा उत्पादित सामग्री को अधिक से अधिक क्रय करने और उपयोग करने लोगों से अनुरोध किया। परियोजना निदेशक डीआरडीए श्री आर के खूंटे ने रीपा की गतिविधियों और वित्तीय स्थिति की जानकारी दी। समारोह को जनपद अध्यक्ष मरवाही श्री प्रताप सिंह मरावी, गणमान्य नागरिक श्री मनोज गुप्ता एवं श्री वीरेंद्र सिंह बघेल ने भी संबोधित कर जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्रीमती पुष्पेशवरी तंवर, श्री दया वाकरे श्रीमती बूंद कुंवर मास्को, श्री अहिरेश सिंह बेचू, श्री हरीश राय, श्री जगरूप सिंह सलाम श्री नारायण शर्मा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवम ग्रामीण उपस्थित थे।

There will be a thorny fight between Mumbai and Delhi in WPL Final 2023, know the possible playing-11 of both the teams

The final match of the first season of the Women's Premier League will be played on March 26 between Mumbai Indians and Delhi Capitals at the Brabourne Stadium in Mumbai. In this title match, the title match will be seen between Mumbai Indians and Delhi Capitals. Let me tell you that Meg Lanning-led Delhi Capitals are at the top of the points table in the first season of WPL. The team has won 6 out of eight matches. At the same time, Delhi Capitals

entered the final directly as they topped the points table. In such a situation, let us know through this article the possible playing-11 of both the teams. The pair of Yastika Bhatia and Hayley Mathews will open the innings for Mumbai Indians in the final match (WPL Final 2023). After this, Net Sewer will be seen batting at number 3. Captain Harmanpreet Kaur will bat at number four. A big inning can be seen from Harman's bat in the final match. Amelia Kerr at No.6 and Pooja Vastrakar at No.7 will play the role of all-rounder and match finisher. Apart from this, Isi Wong, Amanjot Kaur, Humaira Qazi and Jirtimani Kalita will be seen in the bowling section. Mumbai Indians - Yastika Bhatia (wk), Hayley Mathews, Nate Seaver, Harmanpreet Kaur (c), Amelia Kerr, Pooja Vastrakar, Isi Wong, Amanjot Kaur, Humaira Kazi, Jirtimani Kalita, Saika Ishaq. - WPL Final 2023: So be it Possible playing 11 of Delhi Capitals- On the other hand, captain Meg Lanning and Shefali Verma will be seen starting the innings for Delhi Capitals. Alice Capsy will be seen batting at number 3. Jemimah Rodríguez will be seen at No.4 and Marizanne Kapp at No.5. All-rounders Jess Jonassen and Arundhati Reddy will play the role of match finishers. Delhi Capitals - Mag Lanning (Captain), Shafali Verma, Alice Capsey, Jemima Rodrigues, Marianne Kapp, Jess Jonassen, Arundhati Reddy, Tanya Bhatia (wicket-keeper), Radha Yadav, Shikha Pandey, Poonam Yadav.

Shikhar Dhawan's shocking statement on Shubman Gill, broke silence even on the reasons for separation from his wife

Dhawan also talked about the selection process in the Indian team. Dhawan said that dropping him from the ODI team and giving a chance to Shubman Gill was a right decision by the selectors, captain and coach. He said that if he had been a selector, he would have done the same. Once upon a time, the opening pair of Shikhar Dhawan and Rohit Sharma used to be the backbone of the Indian team. The total score used to be estimated according to the start these two gave to Team India. However, Corona changed the times and now Dhawan is not a part of Team India. Earlier he was shown the way out of T20 and Test team and now he is not playing in ODIs also. Dhawan, who was captaining Team India in ODIs at the time of Corona, has also been dropped from the ODI team since the T20 World Cup. In his place, Shubman Gill and Ishaan Kishan are being preferred as openers. In such a situation, questions are also being raised on making a place in his team in the ODI World Cup to be held this year. Now Dhawan has given a statement on all these matters. Dhawan talked about the selection process - In a conversation with a news channel, Dhawan also talked about the selection process in the Indian team. Dhawan said that dropping him from the ODI team and giving a chance to Shubman Gill was a right decision by the selectors, captain and coach. He said that if he had been a selector, he would have done the same. Dhawan was asked that if he was the selector or the captain of the team, for how long would he give himself a chance? In response to this, the former captain said- I think Shubman was already playing in both Test and T20 formats and was doing really well. If I was a selector, I would have also given Shubman a chance. When asked whether he would prefer Shubman over himself? Even on this Dhawan said yes. Dhawan wants to keep Khadu ready for any charisma- Dhawan also said that he wants to keep himself ready for any 'charisma' that may happen in future, so that he can be called back to the Indian team. At this point, he just wants to keep working hard so that he is ready for whatever opportunities come his way. Dhawan said- Even if the opportunity does not come, I will not regret in my heart that I did not prepare myself. Whatever is in my hands, I want to do that. the dangers involved in it. But if I fall in love today, I'll see those red flags. So, if I see danger now, I will move out. If not, I would like to continue that relationship. The cricketer also advised the youth to experience love life and understand it properly. Dhawan said whether he enjoys his partner's company? If this is the case then only after this the decision should be taken to take the relationship to the next step. What did Dhawan say to the youth on relationship? It is important. They should not take a hasty emotional decision and get married. Spend a few years with the person and see if your views match and whether you both enjoy each other's company. This is also like a match. To understand something, one may have to enter into a relationship four to five times. Others may take even longer to understand things. There is nothing bad in this. You will learn from it and you will have some experience when you decide to get married.

2 more players from Jammu and Kashmir will be involved in IPL, signed with this team

The Jammu and Kashmir Cricket Association (JKCA) has given permission for two of its players to join Sunrisers Hyderabad for the Indian Premier League (IPL) 2023. In such a situation, 13 players from the Union Territory will join as net bowlers for various franchises. Among the Kashmiri players to be included in the SRH IPL squad are Mohammad Tahir and Aaqib Nabi. The Jammu and Kashmir Cricket Association thanked the franchise for including the players and showing faith in them. Both the players have been allowed to join the SRH squad. Apart from Mohammad Tahir and Aaqib, Srinagar pacer Samiullah Dar has joined Kolkata Knight Riders. He was among the top wicket-takers in the event organized by JKCA last season. 13 players to take part in IPL It may be noted that left-arm fast bowler Mujtaba Yusuf from Anantnag district has joined Chennai Super Kings. He regularly

participated in the IPL players auction but was not selected. Fast bowler Basit Bashir has signed up with Mumbai Indians, while Wasim Bashir has signed up with Lucknow Super Giants. Both have played cricket for J&K at junior level JKCA officials expressed happiness Mithun Manhas, Member Cricket Operations & Development, JKCA said, "It is not only the most watched cricket tournament across the globe, whose 16th edition The season is being organized. It is also the tournament which has revolutionized cricket and made it popular with the biggest fan following." JKCA Member Administrator Brig (Retd), Anil Gupta said, "This only proves that there is no dearth of talent in JK, our players squandered opportunities. The talent of JKCA players is now being recognized. IPL Exposure will enable these."

Dinesh Karthik told who is the most important player of Team India, did not name Kohli-Rohit

Before the ODI World Cup, Dinesh Karthik has selected the most important player of the Indian team. However, Karthik has not named Virat Kohli, Rohit Sharma or Jasprit Bumrah. After the 2-1 defeat in the home ODI series against Australia, the players of the Indian team have started preparing for IPL 2023. After this tournament lasting almost two months, Team India has to fight for two ICC trophies. In June, Team India will play the final of the World Test Championship against Australia. After this, India also has to play the ODI World Cup at home. Ahead of the two big ICC tournaments, Dinesh Karthik has picked India's most important player. The surprising thing is that Karthik has not mentioned the most important players like Virat Kohli, Rohit Sharma, Jasprit Bumrah or Shubman Gill, who play in all three formats. He has described Hardik Pandya as India's most important player, who is currently playing only in T20 and ODIs. Hardik Pandya made a comeback from the IPL last year and has been in good form since then. Hardik Pandya is performing brilliantly with both the ball and the bat. In the IPL last year, he also won the title to Gujarat Titans under his captaincy and is now at the forefront of the race for India's new captain. India and Royal Challengers Bangalore star wicket-keeper Dinesh Karthik believes that being a fast bowling all-rounder, Pandya undoubtedly becomes the most important player in the Indian lineup. Dinesh Karthik said in a conversation with a sports website, "He is undoubtedly the most important player in the Indian lineup. First- because he is useful with both the ball and the bat and is capable of doing difficult things with both. Medium pacer and batting all-rounder. That is something that is very, very difficult. Yes, there are 2-3 players who are probably spin all-rounders, but it is very difficult to find a fast bowling all-rounder." In the recently concluded ODI series against Australia, Pandya picked up crucial wickets and also did well with the bat. Karthik said "He bats really well in the middle and obviously when it comes to bowling, he finds a way of getting wickets. What makes him really difficult to play is his natural Tough, because the way he bowls, you always feel he is going to bowl short. But when he starts bowling fuller, the weight of the batsman is on the backfoot, the short ball is very much in search of And so you always slow down a little bit." On Mitchell Marsh's wicket against Australia, Karthik said that Hardik framed him with a plan. He changed pace well. He forced Travis Head to play a pull shot. After this he also got a chance to play a cut shot." He said "He is bowling well. He is definitely a very important player. He is one of those players who really sets the tone of the team, the way the team is built depends on where Hardik Pandya is. Suddenly if you drop him, you think whether we are including more batsmen in the team or playing less batsmen. This becomes a big question mark. For Team India, the key player is Hardik Pandya and if he is in form, he can play multiple roles at the same time."

Fans lost control after seeing Monalisa drenched in rain, wrote - I swear my friend will die

Bhojpuri actress Monalisa has shared pictures of her latest photoshoot on Instagram. In this, he can be seen posing in a bold style after getting drenched in rain water. Monalisa is wearing a red color saree. He is wearing a blouse. He is wearing jewelery in his hands. At the same time, she has also done makeup. She is wearing lipstick. She is looking very hot in red saree - Monalisa's picture has gone viral on Instagram. It has got more than 31000 likes in 2 hours. At the same time, about 650 comments have been made on the pictures. Sharing the pictures, Monalisa wrote, 'A lazy rain drenched Sunday.' At the same time, he has also described it as an uncontrollable scene. Significantly, it seems to be a scene of uncontrollable serial. Monalisa also makes reels on many songs. In this, she can also be seen doing the hook step. Monalisa has given very bold poses in the pictures - Monalisa has given very bold poses in the pictures. A fan has written, 'How cool.' One wrote, 'It's perfect.' One has written, 'Aay hi my life. One wrote, 'Hotlisa.' One wrote, 'Hot. One has written, 'I swear my friend will die.' At the same time, many people also shared heart and fire emoji on her photos. Monalisa has 5.3 million followers on Instagram - Monalisa is a Bhojpuri actress. He has worked in many Bhojpuri films. She has also appeared in many reality shows. He also participated in Bigg Boss 10. Apart from this, she has also appeared in Nach Baliye 8. He also worked in Nazar 1 and 2. She has also appeared in Smart Jodi. Monalisa has 53 lakh followers on Instagram. She also often interacts with her fans. Recently he shared a video. In this he danced on a Bengali song. She is looking very beautiful in this.

Sreejita Dey will take seven rounds with foreign fiance on this day, herself revealed the date of her marriage

Bigg Boss 16's contestant Sreejita Dey is going to tie the knot with her boyfriend Michael Blom-Pape soon. Sreejita has been dating Michael for a long time and now both are going to marry each other. For the past several years, the actress is dating Germany-based fiance Michael Blom-Pape. At the same time, the actress has revealed the date of her marriage. Sreejita Dey's fans are eagerly waiting for her wedding. The actress said that her wedding gown is ready and she is quite excited. She said that she is going to get married on 1st July. The actress had recently revealed that her German wedding will be held in Hamburg and she will tie the knot in Goa as per Bengali customs. Along with this, the actress also told that her friends Shaleen and Priyanka have promised to come to her German wedding. Please tell that Sreejita and Michael postponed their marriage due to the Kovid epidemic. Both had decided to get married after the Corona period. Sreejita told that both had decided to get married in the year 2021, but due to Corona, they postponed their marriage. Sreejita told that she wanted to get married with full rituals, in which Michael and his family would be involved, but it could not be possible due to Kovid. In such a situation, both of them postponed their marriage. Sreejita has worked in many TV shows. He got a lot of fame from the show Uttaran. He has worked in many serials like Kasauti Zindagi Mein, Piya Rangrezz, Nazar, Laal Ishq and Yeh Jadoo Hai Jinn Ka. Apart from this, the actress has also appeared in films. He worked in films like Tashan, Luv Ka The End and Rescue.

Where was Akanksha on the last night before her death? Make-up artist revealed

Bhojpuri actress Akanksha Dubey has committed suicide. The body of the actress has been found in a hotel in Varanasi. It is not yet known why the actress took this step. However, after this news, there is a wave of mourning in the Bhojpuri industry. Hotel manager revealed- Akanksha returned late at 1:55 am after partying at the hotel. The hotel manager told that when she had returned, a young man had also come with her to drop her off. The actress was staggering when she got down from the car. The young man who came along went inside the hotel to take them to the room. The youth stayed with the actress in the room for 17 minutes, then left the hotel. When the door of the room was opened in the morning, the light was on and the bathroom tap was also on. Akanksha's last night - Akanksha Dubey's makeup artist Rekha Maurya told that she had gone to her friend's birthday party. However, she did not give much information about this party. She was a victim of depression - In the year 2018, Akanksha Dubey revealed that she is saying goodbye to the film world due to depression. However, after her mother's persuasion, the actress again made a strong comeback in the industry. Samar Singh posted- After the death of the actress, her alleged boyfriend Samar Singh has paid tribute to Akanksha Singh. He has written Nishabd Rest in Peace and hashtag Akanksha Dubey on his social media post. Acting was passion – Akanksha Dubey shifted to Mumbai with parents at the age of three. His parents wanted to make him an IPS officer, but his mind was in dance and acting. She came into the film world to follow this passion. Last song released - A few hours before Akanksha Dubey's suicide, her last song 'Yeh Ara Kabhi Hara Nahi' has been released. The video of the song has been shot on Pawan Singh and Akanksha. Lyrics of the song are given by Javed Akhtar and Imamuddin and music is given by Priyanshu Singh. The video of this song has got more than 4 lakh views in a while. With whom Akanksha was in a relationship- Bhojpuri actress Akanksha Dubey was in a relationship with Samar Singh for a long time. She used to express her love for Samar Singh on social media every day. The pair of Akanksha and Samar was very much liked by the fans. Has done work in these music videos- Akanksha Dubey started her career in Bhojpuri industry with Rakesh Mishra's music video 'Tu Jawan Hum Laika'. This music video was quite successful. After this, Akanksha has worked with every Bhojpuri star in many Bhojpuri music videos like Bullet Pe Jija, Karvatiya. Last post- Akanksha Dubey shared the last post on her social media four days back. In which she is saying that there was no bad yesterday and I am not good even today. Where was Akanksha on the last night before her death? Make-up artist revealed- Bhojpuri actress Akanksha Dubey has committed suicide in a hotel in Varanasi. It is being told that the body of the actress has been found at Somendra Hotel in Sarnath police station area. She was a well-known actress of Bhojpuri cinema.Akanksha and Samar was very much liked by the fans. Has done work in these music videos- Akanksha Dubey started her career in Bhojpuri industry with Rakesh Mishra's music video 'Tu Jawan Hum Laika'. This music video was quite successful. After this, Akanksha has worked with every Bhojpuri star in many Bhojpuri music videos like Bullet Pe Jija, Karvatiya. Last post- Akanksha Dubey shared the last post on her social media four days back. In which she is saying that there was no bad yesterday and I am not good even today. Where was Akanksha on the last night before her death? Make-up artist revealed- Bhojpuri actress Akanksha Dubey has committed suicide in a hotel in Varanasi. It is being told that the body of the actress has been found at Somendra Hotel in Sarnath police station area. She was a well-known actress of Bhojpuri cinema.